



निचे किसी भी टॉपिक पर आर्टिकल व लेख पढ़ने के लिए बीएस उस पर क्लिक करें

मोटिवेशन

सफलता

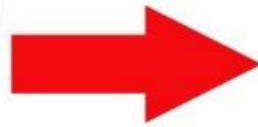
समय

स्टोरी

सक्सेस



ग्रुप में जुड़ने के लिए क्लिक करें।



[CLICK HERE](#)

# गौतम बुद्ध – जीवनी

## गौतम बुद्ध का परिचय

गौतम बुद्ध (जन्म 563 ईसा पूर्व – निर्वाण 483 ईसा पूर्व) एक श्रमण थे जिनकी शिक्षाओं पर बौद्ध धर्म का प्रचलन हुआ

इनका जन्म लुंबिनी में 563 ईसा पूर्व इक्ष्वाकु वंशीय क्षत्रिय शाक्य कुल के राजा शुद्धोधन के घर में हुआ था। उनकी माँ का नाम महामाया था जो कोलीय वंश से थीं, जिनका इनके जन्म के सात दिन बाद निधन हुआ, उनका पालन महारानी की छोटी सगी बहन महाप्रजापती गौतमी ने किया।

29 वर्ष की आयु में सिद्धार्थ विवाहोपरांत एक मात्र प्रथम नवजात शिशु राहुल और धर्मपत्नी यशोधरा को त्यागकर संसार को जरा, मरण, दुखों से मुक्ति दिलाने के मार्ग एवं सत्य दिव्य ज्ञान की खोज में रात्रि में राजपाठ का मोह त्यागकर वन की ओर चले गए। वर्षों की कठोर साधना के पश्चात बोध गया (बिहार) में बोधि वृक्ष के नीचे उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई और वे सिद्धार्थ गौतम से भगवान बुद्ध बन गए।

फ्री हिंदी स्टोरी पीडीऍफ़ | Hindi story pdf free download

गौतम बुद्ध की जीवन वृत्त

उनका जन्म 563 ईस्वी पूर्व के बीच शाक्य गणराज्य की तत्कालीन राजधानी कपिलवस्तु के निकट लुम्बिनी में हुआ था, जो नेपाल में है। लुम्बिनी वन नेपाल के तराई क्षेत्र में कपिलवस्तु और देवदह के बीच नौतनवा स्टेशन से 8 मील दूर पश्चिम में रुक्मिनदेई नामक स्थान के पास स्थित था। कपिलवस्तु की महारानी महामाया देवी के अपने नैहर देवदह जाते हुए रास्ते में प्रसव पीड़ा हुई और वहीं उन्होंने एक बालक को जन्म दिया। शिशु का नाम सिद्धार्थ रखा गया।

गौतम गोत्र में जन्म लेने के कारण वे गौतम भी कहलाए। क्षत्रिय राजा शुद्धोधन उनके पिता थे। परंपरागत कथा के अनुसार सिद्धार्थ की माता का उनके जन्म के सात दिन बाद निधन हो गया था। उनका पालन पोषण उनकी मौसी और शुद्धोधन की दूसरी रानी महाप्रजावती (गौतमी)ने किया। शिशु का नाम सिद्धार्थ दिया गया, जिसका अर्थ है "वह जो सिद्धी प्राप्ति के लिए जन्मा हो"। जन्म समारोह के दौरान, साधु द्रष्टा आसित ने अपने पहाड़ के निवास से घोषणा की- बच्चा या तो एक महान राजा या एक महान पवित्र पथ प्रदर्शक बनेगा।

शुद्धोधन ने पांचवें दिन एक नामकरण समारोह आयोजित किया और आठ ब्राह्मण विद्वानों को भविष्य पढ़ने के लिए आमंत्रित किया। सभी ने एक सी दोहरी भविष्यवाणी की, कि बच्चा या तो एक महान राजा या एक महान पवित्र आदमी बनेगा।[4] दक्षिण मध्य नेपाल में स्थित लुंबिनी में उस स्थल पर महाराज अशोक ने तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व बुद्ध के जन्म की स्मृति में एक स्तम्भ बनवाया था। बुद्ध का जन्म दिवस व्यापक रूप से थाएरावदा देशों में मनाया जाता है।[4]

**सफल होने के लिए इन आदतों को आज ही छोड़ें | Aatmmnthn**

सुद्धार्थ का मन वचपन से ही करुणा और दया का स्रोत था। इसका परिचय उनके आरंभिक जीवन की अनेक घटनाओं से पता चलता है। घुड़दौड़ में जब घोड़े दौड़ते और उनके मुँह से झाग निकलने लगता तो सिद्धार्थ उन्हें थका जानकर वहीं रोक देता और जीती हुई बाजी हार जाता। खेल में भी सिद्धार्थ को खुद हार जाना पसंद था क्योंकि किसी को हराना और किसी का दुःखी होना उससे

नहीं देखा जाता था। सिद्धार्थ ने चचेरे भाई देवदत्त द्वारा तीर से घायल किए गए हंस की सहायता की और उसके प्राणों की रक्षा की।

सफल इंसान कैसे बने ? जाने ये 07 बातें |

### गौतम बुद्ध की शिक्षा एवं विवाह

सिद्धार्थ ने गुरु विश्वामित्र के पास वेद और उपनिषद् को तो पढ़ा ही , राजकाज और युद्ध-विद्या की भी शिक्षा ली। कुश्ती, घुड़दौड़, तीर-कमान, रथ हाँकने में कोई उसकी बराबरी नहीं कर पाता। सोलह वर्ष की उम्र में सिद्धार्थ का कन्या यशोधरा के साथ विवाह हुआ।

पिता द्वारा ऋतुओं के अनुरूप बनाए गए वैभवशाली और समस्त भोगों से युक्त महल में वे यशोधरा के साथ रहने लगे जहाँ उनके पुत्र राहुल का जन्म हुआ। लेकिन विवाह के बाद उनका मन वैराग्य में चला और सम्यक सुख-शांति के लिए उन्होंने अपने परिवार का त्याग कर दिया।

**Personality Development Hindi Pdf Free Download | aatmmnthn**

**गौतम बुद्ध की वीरक्तिया**

राजा शुद्धोधन ने सिद्धार्थ के लिए भोग-विलास का भरपूर प्रबंध कर दिया। तीन ऋतुओं के लायक तीन सुंदर महल बनवा दिए। वहाँ पर नाच-गान और मनोरंजन की सारी सामग्री जुटा दी गई। दास-दासी उसकी सेवा में रख दिए गए।



पर ये सब चीजें सिद्धार्थ को संसार में बाँधकर नहीं रख सकीं। वसंत ऋतु में एक दिन सिद्धार्थ बगीचे की सैर पर निकले। उन्हें सड़क पर एक बूढ़ा आदमी दिखाई दिया। उसके दाँत टूट गए थे, बाल पक गए थे, शरीर टेढ़ा हो गया था।

हाथ में लाठी पकड़े धीरे-धीरे काँपता हुआ वह सड़क पर चल रहा था। दूसरी बार कुमार जब बगीचे की सैर को निकला, तो उसकी आँखों के आगे एक रोगी आ गया। उसकी साँस तेजी से चल रही थी। कंधे ढीले पड़ गए थे। बाँहें सूख गई थीं। पेट फूल गया था। चेहरा पीला पड़ गया था। दूसरे के सहारे वह बड़ी मुश्किल से चल पा रहा था। तीसरी बार सिद्धार्थ को एक अर्थी मिली। चार आदमी उसे उठाकर लिए जा रहे थे। पीछे-पीछे बहुत से लोग थे। कोई रो रहा था, कोई छाती पीट रहा था, कोई अपने बाल नोच रहा था।

इन दृश्यों ने सिद्धार्थ को बहुत विचलित किया। उन्होंने सोचा कि 'धक्कार है जवानी को, जो जीवन को सोख लेती है।

## खुश रहने वाले लोगो में होती हैं ये 05 आदतें | Habits of happy people

धक्कार है स्वास्थ्य को, जो शरीर को नष्ट कर देता है। धक्कार है जीवन को, जो इतनी जल्दी अपना अध्याय पूरा कर देता है। क्या बुढ़ापा, बीमारी और मौत सदा इसी तरह होती रहेगी सौम्य? चौथी बार कुमार बगीचे की सैर को निकला, तो उसे एक संन्यासी दिखाई पड़ा। संसार की सारी भावनाओं और कामनाओं से मुक्त प्रसन्नचित्त संन्यासी ने सिद्धार्थ को आकृष्ट किया।

### गौतम बुद्ध और महाभिनिष्क्रमण

सुंदर पत्नी यशोधरा, दुधमुँहे राहुल और कपिलवस्तु जैसे राज्य का मोह छोड़कर सिद्धार्थ तपस्या के लिए चल पड़े। वह राजगृह पहुँचे। वहाँ भिक्षा माँगी। सिद्धार्थ घूमते-घूमते आलार कालाम और उदक रामपुत्र के पास पहुँचे। उनसे योग-साधना सीखी। समाधि लगाना सीखा। पर उससे उसे संतोष नहीं हुआ। वह उरुवेला पहुँचे और वहाँ पर तरह-तरह से तपस्या करने लगे।

सिद्धार्थ ने पहले तो केवल तिल-चावल खाकर तपस्या शुरू की, बाद में कोई भी आहार लेना बंद कर दिया। शरीर सूखकर काँटा हो गया। छः साल बीत गए तपस्या करते हुए। सिद्धार्थ की तपस्या सफल नहीं हुई। शांति हेतु बुद्ध का मध्यम मार्ग : एक दिन कुछ स्त्रियाँ किसी नगर से लौटती हुई वहाँ से निकलीं, जहाँ सिद्धार्थ तपस्या कर रहा थे।

उनका एक गीत सिद्धार्थ के कान में पड़ा- ‘वीणा के तारों को ढीला मत छोड़ दो। ढीला छोड़ देने से उनका सुरीला स्वर नहीं निकलेगा। पर तारों को इतना कसो भी मत कि वे टूट जाएँ।’ बात सिद्धार्थ को जँच गई। वह मान गये कि नियमित आहार-विहार से ही योग सिद्ध होता है। अति किसी बात की अच्छी नहीं। किसी भी प्राप्ति के लिए मध्यम मार्ग ही ठीक होता है और इसके लिए कठोर तपस्या करनी पड़ती है।

[फ्री हिंदी स्टोरी पीडीऍफ़ | Hindi story pdf free download](#)

## गौतम बुद्ध और उनकी ज्ञान प्राप्ति

बुद्ध के प्रथम गुरु आलार कलाम थे, जिनसे उन्होंने संन्यास काल में शिक्षा प्राप्त की। 35 वर्ष की आयु में वैशाखी पूर्णिमा के दिन सिद्धार्थ पीपल वृक्ष के नीचे ध्यानस्थ थे। बुद्ध ने बोधगया में निरंजना नदी के तट पर कठोर तपस्या की तथा सुजाता नामक लड़की के हाथों खीर खाकर उपवास तोड़ा। समीपवर्ती गाँव की एक स्त्री सुजाता को पुत्र हुआ।

वह बेटे के लिए एक पीपल वृक्ष से मन्नत पूरी करने के लिए सोने के थाल में गाय के दूध की खीर भरकर पहुँची। सिद्धार्थ वहाँ बैठा ध्यान कर रहा था। उसे लगा कि वृक्षदेवता ही मानो पूजा लेने के लिए शरीर धरकर बैठे हैं।

सुजाता ने बड़े आदर से सिद्धार्थ को खीर भेंट की और कहा- 'जैसे मेरी मनोकामना पूरी हुई, उसी तरह आपकी भी हो।' उसी रात को ध्यान लगाने पर सिद्धार्थ की साधना सफल हुई। उसे सच्चा बोध हुआ। तभी से सिद्धार्थ 'बुद्ध' कहलाए। जिस पीपल वृक्ष के नीचे सिद्धार्थ को बोध मिला वह बोधिवृक्ष कहलाया और गया का समीपवर्ती वह स्थान बोधगया।

**खुश रहने वाले लोगो में होती हैं ये 05 आदतें | Habits of happy people**

**गुस्से पर काबू करने के आसन उपाय | How To Control Anger Hindi**

**गौतम बुद्ध और धर्म चक्र प्रवर्तन**

वे 80 वर्ष की उम्र तक अपने धर्म का संस्कृत के बजाय उस समय की सीधी सरल लोकभाषा पाली में प्रचार करते रहे। उनके सीधे सरल धर्म की लोकप्रियता तेजी से बढ़ने लगी। चार सप्ताह तक बोधिवृक्ष के नीचे रहकर धर्म के स्वरूप का चिंतन करने के बाद बुद्ध धर्म का उपदेश करने निकल पड़े। आषाढ़ की पूर्णिमा को वे काशी के पास मृगदाव (वर्तमान में सारनाथ) पहुँचे।

वहीं पर उन्होंने सर्वप्रथम धर्मोपदेश दिया और प्रथम पाँच मित्रों को अपना अनुयायी बनाया और फिर उन्हें धर्म प्रचार करने के लिये भेज दिया। महाप्रजापती गौतमी (बुद्ध की विमाता) को सर्वप्रथम बौद्ध संघ में प्रवेश मिला। आनंद, बुद्ध का प्रिय शिष्य था। बुद्ध आनंद को ही संबोधित करके अपने उपदेश देते थे।

एक अच्छे इंसान के 11 गुण : क्या आपमें है ?

### गौतम बुद्ध और महापरिनिर्वाण

पालि सिद्धांत के महापरिनिर्वाण सूत्र के अनुसार 80 वर्ष की आयु में बुद्ध ने घोषणा की कि वे जल्द ही परिनिर्वाण के लिए रवाना होंगे। बुद्ध ने अपना आखिरी भोजन, जिसे उन्होंने कुण्डा नामक एक

लोहार से एक भेंट के रूप में प्राप्त किया था, ग्रहण लिया जिसके कारण वे गंभीर रूप से बीमार पड़ गये। बुद्ध ने अपने शिष्य आनंद को निर्देश दिया कि वह कुन्डा को समझाए कि उसने कोई गलती नहीं की है। उन्होंने कहा कि यह भोजन अतुल्य है।

**कम्युनिकेशन स्किल PDF download | Communication skills पीडीऍफ़ डाउनलोड**

### भगवान् बुद्ध के उपदेश

भगवान बुद्ध ने लोगों को मध्यम मार्ग का उपदेश किया। उन्होंने दुःख, उसके कारण और निवारण के लिए अष्टांगिक मार्ग सुझाया। उन्होंने अहिंसा पर बहुत जोर दिया है। उन्होंने यज्ञ और पशु-बलि की निंदा की। बुद्ध के उपदेशों का सार इस प्रकार है -

महात्मा बुद्ध ने सनातन धर्म के कुछ संकल्पनाओं का प्रचार किया, जैसे अग्निहोत्र तथा गायत्री मन्त्र

ध्यान तथा अन्तर्दृष्टि

मध्यमार्ग का अनुसरण

चार आर्य सत्य

अष्टांग मार्ग

## बुद्धि का बल - Hindi Story

### बौद्ध धर्म और संघ

बुद्ध के धर्म प्रचार से भिक्षुओं की संख्या बढ़ने लगी। बड़े-बड़े राजा-महाराजा भी उनके शिष्य बनने लगे। भिक्षुओं की संख्या बहुत बढ़ने पर बौद्ध संघ की स्थापना की गई। बाद में लोगों के आग्रह पर



बुद्ध ने स्त्रियों को भी संघ में ले लेने के लिए अनुमति दे दी, यद्यपि इसे उन्होंने उतना अच्छा नहीं माना।

भगवान बुद्ध ने 'बहुजन हिताय' लोककल्याण के लिए अपने धर्म का देश-विदेश में प्रचार करने के लिए भिक्षुओं को इधर-उधर भेजा। अशोक आदि सम्राटों ने भी विदेशों में बौद्ध धर्म के प्रचार में अपनी अहम् भूमिका निभाई। मौर्यकाल तक आते-आते भारत से निकलकर बौद्ध धर्म चीन, जापान, कोरिया, मंगोलिया, बर्मा, थाईलैंड, हिंद चीन, श्रीलंका आदि में फैल चुका था। इन देशों में बौद्ध धर्म बहुसंख्यक धर्म है।

निचे किसी भी विषय पर आर्टिकल पढ़ने के लिये उस पर

**Personality Development Hindi Pdf Free Download | aatmmnthn**

**फ्री हिंदी स्टोरी पीडीऍफ़ | Hindi story pdf free download**

**कम्युनिकेशन स्किल PDF download | Communication skills पीडीऍफ़ डाउनलोड**

**Motivational lines for students | स्टूडेंट के लिए मोटिवेशनल लाइन**

**संदीप महेश्वरी लाइन | Sandip maheshvari motivational lines in hindi**

**खुश रहने वाले लोगो में होती हैं ये 05 आदतें | Habits of happy people**

**Life is a journey जाने कैसे | जिन्दगी जीने के सही मायनो को जाने**

**Best 51 Success thoughts in hindi | बेस्ट सक्सेस थॉट्स**

**Personality Development Pdf Free Download | aatmmnthn**

**फ्री हिंदी स्टोरी पीडीऍफ़ | Hindi story pdf free download**

**गुस्से पर काबू करने के आसन उपाय | How To Control Anger Hindi**

खुशी कहा हैं ? प्रेरक प्रसंग | एक जमींदार और बाबा की कहानी

मोटिवेशन क्या हैं? मोटिवेशन से जुड़े महत्वपूर्ण सवाल और उनके जवाब

औरो से अलग बनना हैं तो इन बातों को जानो | औरो से अलग कैसे बने ?

गरीब बच्चा और राहगीर की कहानी | यह कहानी सोच बदल देगी

जीवन की कडवी बातें | इन बातों को आज ही जाने

अपना नजरिया तुरंत बदले , बस इन बातों को जान कर

अपनी मानसिकता कैसे बदले? सोचने का तरीका बदल लो

अपना नजरिया कैसे बदले, अभी जाने !

जीवन की कडवी बातें, आज ही जाने इन बातों को !

गरीब बच्चा और राहगीर की कहानी | कहानी जो आपकी सोच बदल दे

औरो से अलग बनना है तो आज ही इन बातों को जाने | औरो से अलग कैसे बने ?

**10 प्रेरणादायक अनमोल वचन | 10 Prernadayak Anmol Vachan**

असफलताओं से कैसे सीखें | अब असफल हो कर भी सफल बने

हमेशा सकारात्मक कैसे रहें - Aatmmnthn

बिना अटके लोगो से बात कैसे करे - Anjan Logo Se Baat Kaise Kare

अपने अंदर की प्रतिभा को कैसे पहचाने - Motivational Story in Hindi

**Top 50 Millionaire Billionaire Thoughts in Hindi**

मोटिवेशनल कोट्स इन हिंदी | **Top 10 Motivational Quotes in Hindi**

किस्मत नहीं कर्म साथ देती है ! Motivational Story in Hindi |

असफलता से सफलता की कहानी | **Success Story in Hindi**

**अच्छे लोगो के साथ हमेशा बुरा क्यों होता है ? Motivational Story in Hindi.**

**संघर्ष ही जीवन है | motivational Story in Hindi**

**खुद को बेहतर कैसे बनाये ? khud ko behtar kaise banaye**

**आत्मविश्वास बढ़ाने के लिए जाने ये 10 बातें ! AATMMNTHN**

**11 बेहतरीन मोटिवेशनल लाइने !! AATMMNTHN**

**एक अच्छे इंसान के 11 गुण : क्या आपमें है ?**

**कविता की ताकत | हिंदी कहानी | यह कहानी जीवन में आगे बढ़ना सिखा देगी**

**शिक्षा का महत्त्व | विवेकानंद प्रेरणादायक कहानी**

**दान का ढिंढोरा | Motivational Story In Hindi**

**पॉजिटिव सोच जरूरी है | Positive Soch motivational story**

**बुद्धि का बल - Hindi Story**

**जैसी करनी वैसी भरनी | Hindi Motivationa Story**

**इंतिजार का फल मौत | Motivational Story in Hindi**

**डमरू कभी भी बज सकती हैं ! छात्रों के लिए एक सलाह ! Hindi Story**

**सकारात्मक सोच की ताकत - Hindi Story**

**प्रेरक प्रसंग (Prerak Prasang) - जमी हुई नदी**

**गुजरा हुआ वक्त दोबारा नहीं आता : Aatmmnthn Motivational Story**

**नजरिये का फर्क - Best Motivational Story in Hindi**

**महात्मा बुद्ध की अनोखी कहानी | Inspirational story of mahatma budh**

**शिकंजी का स्वाद | Motivational Story In Hindi**

**आखरी प्रयास की कहानी | Short motivational story-in-hindi**

**एक विद्वान और दो चालाक बच्चें | Motivational Story in Hindi**

**सक्सेस थॉट्स ~ Success Thoughts In Hindi**

**सफल होने के लिए इन आदतों को आज ही छोड़े | Aatmmnthn**

**गरिबो कि कुछ आदते जो अमीर लोगो मे नहीं होती**

**लोगो से बात कैसे करे | How to talk to people in hindi**

**सफल इंशान कैसे बने ? जाने ये 07 बाते |**

क्या है सफलता के रहस्य-सक्सेस मंत्र, **SUCCESS TIPS IN HINDI |**

लॉकडाउन में अपने समय का सदुपयोग कैसे करें | **Aatmmnthn**

समय की कीमत पता है | **KNOW THE VALUE OF TIME |**

समय की बचत कैसे करे | **HOW TO SAVE TIME IN HINDI ?**

**10 बेहतरीन अनमोल वचन (Anmol Vachan)**

**Best 51 Success thoughts in hindi | बेस्ट सक्सेस थॉट्स**

**Life is a journey जाने कैसे | जिन्दगी जीने के सही मायनो को जाने**

**खुश रहने वाले लोगो में होती हैं ये 05 आदतें | Habits of happy people**

**संदीप महेश्वरी लाइन | Sandip maheshvari motivational lines in hindi**

**खुद से निर्णय कैसे ले | How to decide for yourself**

**Motivational lines for students | स्टूडेंट के लिए मोटिवेशनल लाइन**



**अपने आपको कैसे पहचाने | How to know yourself | जाने इन 07 बातों को**